



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 29, 1983/पौष 8, 1905

No. 9] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 29, 1983/PAUSA 8, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

कार्यान्वयन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचनाएं
कानपुर, 7 दिसम्बर, 1983

निदेश नं० 13/आर/के एन पी/83-84/493 :—अतः मुझे
पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 11844 है तथा
जो 111ए/376 अशोक नगर, कानपुर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
29-4-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों

से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
का देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उसमें वचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण
से मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती जानवती निगम. (अन्तरक)
पत्नी श्री राधेश्याम निगम,
108/84, पी० रोड, कानपुर

2. श्री अजीत कुमार, पुत्र श्री हवेली राम (अन्तरिती)

119/252, वर्णनपुरवा, कानपुर

3. श्री अजीत कुमार, (वह व्यक्ति, जिसके पुत्र श्री हवेली राम अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री —तथैव— (वह व्यक्ति, जिसके

..... बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
..... वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 111-ए/376, अशोक नगर कानपुर,
150 वर्ग गज

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

NOTICES UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 7th December, 1983

Ref. No. 13/R/KNP/83-84/493.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 29-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shrimati Gyanwati Nigam, W/o Sh. Radhey Shyam Nigam, 008/84, P. Road, Kanpur. (Transferor)

2. S/Shri Ajit Kumar, S/o Haveli Ram, 110/252, Darshanpura, Kanpur. (Transferee)

252, Darshanpura, Kanpur.

(Persons in occupation of the property)

3. -do- -do-

4. S/Shri (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 111A/376, Ashok Nagar, Kanpur.

निर्देश नं० के-315/के एन पी/83-84/492—अतः मुझे पी० एम० पाठक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अर्थात् मन्त्र प्रतिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000, से अधिक है और जिसकी सं० 132/396 है तथा जो बाबू पुरवा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थात् तारीख 10-10-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त, अन्तरण, निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिधों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गण से उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अर्थात्, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. कुबारा देवी पन्ती स्व० राम सहाय (अन्तरक)
गौजोला तह० घाटम पुरा,
जि० कानपुर
2. मोहम्मद सैद पु० स्व० अब्दुल (अन्तरिती)
जब्वार 132/398 बाबू पुरवा
कानपुर
3. श्री माहम्मद सैद पु० स्व० (वह व्यक्ति, जिसके अब्दुल जब्वार 132/398 बाबू पुरवा अधिभाग में सम्पत्ति है)
कानपुर
4. श्री श्रीमती कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाइयाँ शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 132/398 बाबू पुरवा कानपुर
कानपुर

Ref. No. RR. No. K[315|KNP|82-84|492.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-5-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Smt. Kunara Devi S/o late Ram Sahai Sakin Gujaula Teh—Ghatanpur Distt. Kanpur. (Transferor)
2. Shri Mohd. Saeed S/o Shri Abdul Sattar Zabbar 132/390, Babupurwa Kanpur (Transferee)
3. Shri Mohd. Saeed S/o Shri Abdul Sattar Zabbar 132/398, BZabupurwa Kanpur (Persons in occupation of the property)
4. S/Shri (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

132/390 Babupurwa, Kanpur.

निदेश न० के०-213 के० एन० पी०/82-84/491 :—

अतः मुझे पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया था है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी स० 8308 है तथा जो 128/189, के०-ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-2-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए अन्तर्गति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त, अन्तर्गण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए और या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधे अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री यमुना दास निवारी, पुत्र श्री लार्दी राम (अन्तरक) 128/189, के०-ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर
2. श्री रमेश चन्द्र शाह, सुरेश चन्द्र शाह (अन्तरिती) जय प्रकाश शाह, श्रवण कुमार शाह, पुत्रगण श्री भाग चन्द्र शाह 121/175-बी-नोर्विल्ड नगर, कानपुर
3. श्री रमेश चन्द्र शाह, सुरेश चन्द्र (वह व्यक्ति, जिसके शाह, जय प्रकाश शाह, श्रवण कुमार अत्रिभाग में सम्पत्ति है) शाह, पुत्रगण श्री भाग चन्द्र शाह
4. श्री श्रीमती कुमारी—नर्देव— (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहम्नाश्री के पान
लिखित में कि जा सके।

Chandra Shah, 124/175, B. Govind
Nagar, Kanpur. (Transferee)

राजकीकरण —उसमे प्रयुक्त आर्द्धा जार पदा का, जा आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 13) के अध्याय
20 के परिभाषित है, वही जय होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

3. S Shri -do (Persons in occupation
of the property)

4. S Shri -do- (Persons whom the
undersigned knows to
be interested in the
property).

अनुसूची

मकान न० 128/189, के०-ब्लॉक,

किदवाई नगर, कानपुर

Ref. No. K. 213,KNP/82-83/491.—Whereas I,
P. N. Pathak being the Competent Authority
under section 269-B of the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) (hereinafter referred to as the said
Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and bearing number AS PER
SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registra-
tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Kanpur on 25-2-83 for an
apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consi-
deration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of
the liability of the transferor to pay tax
under the said Act in respect of any
income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any
income or any moneys or other assets
which have not been or which ought to
be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act or
the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C
of the said Act, I hereby initiate proceedings for
the acquisition of the aforesaid property by the
issue of this notice under sub-section (1) of section
269-D of the said Act to the following persons,
namely :—

1. Yamuna Das Tewari, S/o Sri 'Lali Ram,
128/189, K. Block, Kidwai Nagar,
Kanpur. (Transfer)
2. S/Shri Ramesh Chandra Shah, Suresh
Chandra Shah, Jai Prakash Shah,
Shrawan Kumar Shah, S/o Sri Bhag

Objections, if any, to the acquisition of the
said property may be made in writing to the
undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within
a period of 45 days from the date of
publication of this notice in the Official
Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective
persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the
said immovable property, within 45
days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the
same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 128/189, K—Block, Kidwai
Nagar, Kanpur.

कानपुर, 26 दिसम्बर 1983

निदेश न० 17,आर०/के० एन० पी०/83-84/500.—अतः
मुझे, पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269 ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 9294 है
तथा जो 95/34, बेकनगंज, कानपुर में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
28-4-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे दत्तों में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तर्गण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सईद सईदू जफर, उर्फ बदरुल हसन (अन्तरक) नरुल हसन, पुत्र स्व० सईद महमूद हसन साहेद, निवासी—15/202-सी, मिडिल लाइन्स, कानपुर
2. श्री मो० मोईन, पुत्र हाजी मो० सईद. (अन्तरिती) 95/34, बेकनगंज, कानपुर
3. श्री मो० मोईन, पुत्र हाजी (वह व्यक्ति, जिसके मो० सईद, 95/34, अधिशेष में सम्पत्ति है) बेकनगंज, कानपुर
4. श्री/श्रीमती/कुमारी ... (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अग्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद् है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करती हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि, या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची :—

म० नं० 95/34, बेकनगंज, कानपुर

Kanpur, the 26th December, 1983

Ref. No. 17/R|KNP|83-84|500.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 28-4-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Sayeed Sayeedu Zaffar alias Badrul Hasan,
2. Norul Hasan, S/o Late Sayeed Mehmood Hasan Saheb, all R/o 15|202-C Civil Lines, Kanpur. (Transferor)
2. Shri Mohd. Moin, S/o Hazi Mohd. Sayeed, R/o 95|34, Beconganj, Kanpur. (Transferee)
3. Shri Mohd. Moin, S/o Hazi Mohd. Sayeed, R/o 95|34, Beconganj, Kanpur. (Persons in occupation of the property)
4. S/Shri (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official

Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 95134, Beconganj, Kanpur.

निर्देश नं० के-316/83-84/के० एन० पी० :—अतः मुझे पी० एन० पाठक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० 9451 है तथा जो 88/511, चमन गंज कानपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-3-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त, अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगणों अर्थात् :—

1. श्री मुहम्मद रसीम खान पुत्र श्री (अन्तरक) मुहम्मद इम्राहीम खान
नि० 98/511 चमन गंज कानपुर

2. श्री अब्दुल लतीफ पुत्र श्री अली हुसैन (अन्तरती) श्रीमती अस्मत जहां पत्नी अब्दुल लतीफ 105/209, चमन गंज, कानपुर

3. श्री श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1. श्री/श्रीमती/कुमारी. (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि, या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 88/511, चमन गंज
कानपुर

पी० एन० पाठक, सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

Ref. No. K. 316/83-84/KNP.—Whereas I, P. N. Pathak being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 9-3-83 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :—

1. S'Shri Mohd. Raies Khan S/o Mohd. Ibrahim Khan H. No. 88/511, Chaman Ganj Kanpur. (Transferor)
2. (1) Shri Abdul Latif s/o Ali Husain.
(2) Smt. Asmat Jahan W/o Abdul Latif.
(3) Abdul Hasib S/o Abdul Latif 105/209, Chaman Ganj, Kanpur. (Transferee)
4. S Shri -do- (Persons whom the of the property)

4. S'Shri

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 88/511, Chaman Ganj, Kanpur.

P. N. PATHAK.

Competent Authority.

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range)